अध्याय 4
उत्पादकता

4.1 **उत्पादकता दक्षता की एक ऐसी माप है जिसके द्वारा मानव तथा सामग्री दोनों ही साधनों को सामग्रियों एवं सेवाओं के रूप में बदला जाता है**

- **आर्थिक कार्यकलाप की समस्त शाखाओं में उच्चतर उत्पादकता एवं अधिकाधिक उत्पादन से आर्थिक उन्नति की रफ्तार तेज की जा सकती है। भूमि एवं पूंजी के अतिरिक्त मानव संसाधन (श्रम) एक महत्वपूर्ण कारक (इनपुट) है अतः उसकी समग्र उत्पादकता किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।**
- **मानव के कौशल स्तर के अतिरिक्त, कच्चे माल की गुणवत्ता एवं लगाई गई प्रौद्योगिकी भी उत्पादक मानव संसाधन के लिए जिम्मेदार है।**

श्रम उत्पादकता

4.2 1995 **के दौरान** 1988 = 100 **आधार पर तालिका 4.1 पर उल्लिखित एशियाई देशों के उत्पादकता सूचकांक की तुलना से पता चलता है कि मलेशिया में उत्पादकता विकास की दर सर्वाधिक रही और उसके बाद चीन गणराज्य, सिंगापुर, कोरिया गणराज्य, नेपाल,हांगकांग,भारत आदि का स्थान रहा।** 18 **एशियाई देशों में, जिनके लिए अध्ययन किए गए हैं, भारत का स्थान** 7**वां रहा। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन गणराज्य, हांगकांग, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और थाइलैंड के उत्पादकता सूचकांकों में लगातार सुधार का रूझान रहा है। भारत के उत्पादकता सूचकांकों में भी वृद्धि का रूझान दर्ज किया गया।**

4.3 भारत में सकल घरेलू उत्पाद प्रति नियोजित व्यक्ति के रूप में मापी गयी श्रम उत्पादकता वृद्धि 1996 के दौरान 6.84 प्रतिशत से लेकर 2000 में 3.12 प्रतिशत तक आंकी गयी है, जो देश में श्रम उत्पादकता के पूर्ण सुधार को दर्शाता है। भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि 1998 और 2001 के दौरान क्रमशः 5.38 प्रतिशत और 4.41 प्रतिशत थी जो कि एशिया में स्थित कुछ अपवादों को छोड़कर अन्य सभी देशों से बेहतर है। चिन्हित देशों जैसे कि आस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंग्लैंड और अमेरिका (2002 को छोड़कर) की तुलनात्मक स्थिति के मुकाबले वर्ष 1995 से 2001 के दौरान भारत में श्रम उत्पादकता वृद्धि में काफी सुधार आया है जो कि वैश्वीकरण के इन वर्षों में उच्च श्रम उत्पादकता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में आए सुधारोन्मुख

बदलाव को दर्शाता है। **एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता वृद्धि का तुलनात्मक विवरण तालिका 4.2 में दर्शाया गया है।**

4.4 **सकल घरेलू उत्पाद** (**क्रय शक्ति के अनुरूप**) **श्रम उत्पादक्ता माप प्रति नियोजित व्यक्ति एवं पूर्ण उत्पादकता-वास्तविक वृद्धि अर्थात् एशियाई देशों में प्रति नियोजित व्यक्ति द्वारा वास्तविक रूप में सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत बदलाव और वर्ल्ड कम्पटीटिवनेश ईयर बुक**, 2005 **में वर्ष** 2004 **के दौरान चिन्हित देशों संबंधी विवरण तालिका 4.3 पर दी गई है।**

4.5 **इस तरह की तुलना से यह ज्ञात होता है कि वर्ष** 2004 **के दौरान हमारे देश में उत्पादन अन्य एशियाई देशों की तुलना में निम्नतम अर्थात** 3.10 **यू.एस. डालर रहा। एशियाई देशों में जापान की श्रम उत्पादकता सबसे अधिक** 31.03 **यू.एस.डालर रही जिसके बाद सिंगापुर** (26.54 **यू.एस.डालर**) **एवं हांगकांग** (25.38 **यू.एस.डालर**) **रिपोर्ट की गई । अन्य देश जिनकी श्रम उत्पादकता भारत के सन्निकट है वे हैं इंडोनेशिया** (3.65 **यू.एस.डालर**) **चीन** (3.95 **यू.एस.डालर**) **एवं फिलीपींस** (5.14 **यू.एस.डालर**) **।**

4.6 **चार चिन्हित राष्ट्रों अर्थात, संयुक्त राष्ट्र अमेरीका में** 43.22 **यू.एस.डालर, जर्मनी में** 36.17 **यू.एस.डालर, आस्ट्रेलिया में** 35.90 **यू.एस. डालर ओर इंग्लैड** 33.23 **यू.एस.डालर की उच्चत्तर श्रम उत्पादकता रिकार्ड की गई है ।**

4.7 2004 **में भारत की कुल उत्पादकता का आकलन "प्रति नियोजित व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत बदलाव" के रूप में किया गया है, तथापि इसे** 5.85 **प्रतिशत पाया गया, जो कि चार चिन्हित देशों के साथ-साथ एशियाई देशों में चीन** (8.02 **प्रतिशत**) **इंडोनेशिया** (5.87 **प्रतिशत**) **तथा हांगकांग** (5.89 **प्रतिशत**) **को छोड़कर अन्य सभी एशियाई देशों से अधिक है ।**

4.8 **विश्व रोजगार रिपोर्ट**, 2004-2005 **के अनुसार विश्व श्रम संगठन की श्रम उत्पादकता अन्य देशों की श्रम उत्पादकता में विभिन्नताओं के मद्देनजर अन्य विभिन्न देशों से तुलना करते वक्त ध्यान में रखने की आवश्यकता है, जिसे निम्नवत् बताया गया है-**

"विभिन्न देशों में श्रम की उत्पादकता में काफी भिन्नताएँ देखने को मिलती है जिसके कई एक कारण हैं, जिसमें से अधिकांश संबंधित देशों के आर्थिक विकास के स्तर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में जुड़े हैं । यह भी ध्यान देने योग्य तथ्य है कि श्रम उत्पादन के स्तर में भिन्नताओं में कठिन परिश्रम करने वालों के कार्य में भिन्नता होने से कोई विशेष अंतर नहीं पड़ता-बल्कि ये आम तौर पर कार्य-दशाओं

में अंतर को इंगित करते हैं। किसी विकासशील अर्थव्यवस्था में कोई साधारण कामगार अधिक घंटे तक, खराब शारीरिक दशा में लगातार, कार्य कर सकता है, लेकिन श्रम की उत्पादकता में कमी जरूर रहेगी और उसकी आय कम होगी, क्योंकि उसका/उसकी पहुँच तकनीक , शिक्षा एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए आवश्यक कारकों तक नहीं होगी। ठीक उसी प्रकार, एक कामगार विकसित अर्थव्यवस्था में अपेक्षानुसार कम घंटे कार्य करते हुए और अधिक श्रम उत्पादकता के स्तर को प्राप्त कर सकता है।"

श्रम की उत्पादकता में वृद्धि हेतु उपाय

4.9 **श्रम की उत्पादकता में वृद्धि यद्यपि, एक स्वतः होने वाली प्रक्रिया नहीं है । मुक्त व्यापार एवं औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों क्षे्त्रों में उदारीकरण हेतु परामर्शी सेवाएं उदारीकरण के अंतर्गत आने वाले देशों में एक विकासशील देशों को कतिपय स्तर की मानव पूँजी तकनीकी एवं औद्योगिक क्षमताओं की आवश्यकता उच्च श्रम उत्पादकता के लाभों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक होती है । रोजगार चाहने वालों को बढ़ते रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए, जबकि अंतिम उत्पाद को वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप बनाया जाना है, व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं हेतु पर्याप्त निवेश किए जाने की भी आवश्यकता है।**

4.10 **देशभर में श्रम उत्पादकता में वृद्धि के लिए मुख्यत ः पूर्ण रूपेण कौशल विकास एवं कौशल के स्तरोन्नयन पर विशेष बल दिया गया है जिसे निम्न माध्यम से उन्नत किया जा रहा है-**

- 500 आई टी आई को उत्कृष्टता प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप में विकसित करना
- पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम एवं जम्मू एवं कश्मीर में आई टी आई का स्तरोन्नयन
- कौशल-उन्नयन के लिए औद्योगिक कामगारों को प्रशिक्षण
- औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पाठ्य़क्रमों को समायोजित एवं प्रारंभ करना
- सूचना प्रौद्योगिकी पर पाठ्य़क्रम शुरू करना
- औद्योगिक सहलग्नता संस्थान

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्

4.11 **राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् एक स्वायत्त शासी निकाय है तथा इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है-**

- इसका उद्देश्य उत्पादकता में ज्ञान और अनुभवों का प्रचार करना, उत्पादकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उसमें सुधार करना, अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को सुदृढ़ तथा प्रतिस्पर्धी बनाना तथा

श्रमिक के जीवन की दशाओं एवं गुणवत्ता में सुधार करना है।

- इसका संचालन क्षेत्रीय निदेशालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से होता है।
- भारत सरकार के मंत्रालयों तथा नियोक्ता एवं कर्मकार संगठनों के प्रतिनिधि परिषद के सदस्य हैं ।
- यह प्रबंधन सेवाओं, औद्योगिकों प्रशिक्षण तथा मानव विकास के क्षेत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है तथा औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है।

- इसके द्वारा उत्पादकता में सराहनीय योगदान देने वाले उपक्रमों को मान्यता देने के उद्देश्य से चयनित उद्योग समूहों के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता पुरस्कार शुरू किए गए हैं, जिसका उद्देश्य और अन्य उपक्रमों को अपने उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन देना है ।

प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार

4.12 **उत्पादन तथा उत्पादकता, प्रौद्योगिकीय नवाचरण, लागत में वचत करने, आयात के विकल्प लाने, विदेशी मुद्रा में बचत के प्रति उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने तथा कर्तव्यों के निर्वाचन में अनुपम जोश और उत्साह का प्रदर्शन करने के लिए श्रम मंत्रालय, केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभागीय/ सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के नियोजित कर्मकारों, (औद्योगिक विवाद अधिनियम,** 1947 **में यथा परिभाषित) और निजी क्ष्ेात्र में** 500 **अथवा कामगारों को नियोजित करने वाली विनिर्माण इकाईयों के लिए "प्रधानमंत्री के श्रम पुरस्कार" नामक योजना का संचालन करता है । केवल वही कामगार ऐसे पुरस्कार के पात्र है जो विनिर्माण तथा उत्पादकता प्रक्रियाओं में लगे हैं और जिनका निष्पादन मूल्यांकन करने योग्य है। प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर इन पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। क्रमानुसार ये पुरस्कारों हैं ः श्रम रत्न, श्रम भूषण, श्रम वीर और श्रम वीरांगना श्रम श्री/ देवी । नगद पुरस्कार के अलावा पुरस्कार विजेता प्रधान मंत्री से एक सनद भी प्राप्त करते है।**

4.13 **प्रत्येक श्रेणी के लिए नकद पुरस्कार की राशि और पुरस्कारों की संख्या तालिका 4.4 में दर्शायी गयी है।**

4.14 **नकद पुरस्कार के अलावा प्रधानमंत्री द्वारा एक "सनद" भी प्रदान किया जाता है**

4.15 **माननीय प्रधान मंत्री द्वारा वर्ष** 2004 **के लिए मार्च** 2005 **में घोषित** 6 **महिलाओं सहित** 45 **कर्मचारियों को प्रधान मंत्री के श्रम पुरस्कार वितरित किए जाएंगें। इसके**

लिए समारोह के शीघ्र आयोजन की प्रस्तावना है।

**

तालिका **4.1**

एशियाई देशों में श्रम उत्पादकता सूचकाकों के तुलनात्मक आंकड़े

देश/वर्ष	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995
चीन गणराज्य	100	106.25	111.65	117.86	123.03	129.10	134.55	141.04
फिजी	100	99.19	101.77	99.50	101.54	101.39	104.83	-
हांगकांग	100	102.93	106.83	110.60	117.96	121.63	123.82	127.30
भारत	100	110.97	114.89	116.27	113.59	118.19	119.55	124.70
इंडोनेशिया	100	107.40	113.08	121.89	127.02	134.78	143.31	-
ईरान गणराज्य	100	99.71	108.09	115.78	117.92	119.09	116.53	117.14
जापान	100	105.49	109.25	111.28	111.34	110.39	111.30	113.00
कोरिया गणराज्य	100	102.19	108.37	115.25	118.84	123.33	130.37	138.34
मलेशिया	100	105.39	110.53	116.45	121.90	126.72	134.39	143.30
नेपाल	100	104.65	108.99	115.15	119.59	122.60	131.31	134.10
पाकिस्तान	100	101.45	103.10	112.48	116.38	115.09	116.73	118.88
फिलीपिंस	100	104.48	104.41	101.77	98.11	98.04	99.43	102.19
सिंगापुर	100	104.84	107.16	111.79	114.84	125.55	133.52	140.93
थाइलैंड	100	110.85	112.16	130.01	135.73	143.14	160.45	-

स्रोतः उत्पादकता संबंधी आंकड़े एशिया उत्पादकता संगठन, जापान

आधारः 1988 = 100

तालिका **4.2**

श्रम उत्पादकता वृद्धि (प्रतिशत)

(प्रतिशत नियोजित व्यक्ति वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि

क्र सं.	देश/वर्ष	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002
1.	बंगलादेश	2.68	3.99	3.83	3.48	4.54	3.87	3.03
2.	चीन गणराज्य	5.79	6.46	4.77	4.44	4.88	3.67	3.38
3.	फिजी	-1.13	-3.40	1.84	8.02	-0.91	लागू नहीं	लागू नहीं
4.	भारत	6.84	3.76	5.38	4.86	3.12	4.41	2.57
5.	इंडोनेशिया	0.78	3.08	-13.74	-0.51	3.73	2.35	2.74
6.	ईरान	1.72	0.02	1.35	-1.11	1.98	0.43	3.87
7.	जापान	5.25	2.70	0.01	1.64	0.93	4.31	1.34
8.	कोरिया गणराज्य	10.01	7.37	-6.26	12.19	5.27	1.57	3.98
9.	मलेशिया	5.70	5.60	-1.79	3.86	6.10	0.29	2.46
10.	मंगोलिया	2.09	4.61	-0.06	0.55	1.63	-1.80	-0.55
11.	नेपाल	1.62	-0.18	0.38	1.52	0.59	-1.54	0.72
12.	पाकिस्तान	4.09	-4.17	-1.49	1.87	5.19	0.02	-0.55
13	फिलीपीन्स	0.42	2.72	-1.27	-0.42	11.86	-3.05	0.64
14.	सिंगापुर	1.80	2.30	-3.60	7.30	5.40	-5.20	3.60
15.	श्रीलंका	0.35	4.99	-2.18	2.99	2.20	-0.37	N.A.
16.	थाइलैंड	2.02	-1.86	-12.87	9.37	2.85	0.08	2.52
17.	वियतनाम	6.98	5.85	3.54	2.61	4.67	4.13	4.70
चिन्हित देश								
1.	**अमेरिका (यू.एस.)**	3.80	0.63	2.83	2.60	5.83	-4.13	2.77
2.	**जर्मनी**	1.13	1.81	0.44	2.49	2.33	0.54	1.04
3.	**आस्ट्रेलिया**	2.66	4.49	2.50	1.72	-1.76	3.09	0.69

4.	**इंग्लैंड (यू.के.)**	1.53	1.40	1.97	1.58	2.47	1.14	0.48

स्रोतः ए.पी.ओ. एशिया पैंसिफिक प्रोडक्टिविटी डॉटा एण्ड एनालिसिस 2004 टोक्यो, जापान।

तालिका 4.3

श्रम उत्पादकता एशियाई देश **2004**

क्रम संख्या	**देश का नाम**	**सकल घरेलू उत्पाद (प्रतिव्यक्ति क्रय शक्ति) प्रति घंटे प्रति नियोजित व्यक्ति व्यक्ति (यू.एस.कालर में)**	**वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में प्रति नियोजित व्यक्ति प्रतिशत बदलावा**
1	चीन - मेन लैंड	3.95	8.02
2	हांग कांग	25.38	5.89
3	भारत	3.10	5.85
4	इंडोनेशिया	3.65	5.87
5	जापान	31.03	2.42
6	कोरिया गणराज्य	17.59	2.73
7	मलेशिया	12.06	3.42
8	फिलीपिंस	5.14	3.01
9	सिंगापुर	26.54	6.67
10	थाईलैंड	6.36	2.90

चिन्हित देश			
1	अमेरिका (यू.एस.)	43.22	3.30
2	जर्मनी	36.17	1.22
3	आस्ट्रेलिया	35.90	0.82
4	इंग्लैंड (यू.के.)	33.23	2.59

स्रोतः वर्ल्ड कम्पीटिटवनेश ईयर बुक, 2004, **प्रबंघक एवं विकास संस्थान**, **लासुआने**, **स्विटजरलैंड।**

		तालिका 4.4
पुरस्कार का नाम	**ज्रकद पुरस्कार की राशि (रुपये में)**	**पुरस्कारों की संख्या**
श्रम रत्न	**2,00,000,00**	**01**
श्रम भूषण	**1,00,000,00**	**04**
श्रम और/श्रम वीरांगणा	**60,000,00**	**12**
श्रम श्री/श्रम देवी	**40,000.00**	**16**